क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 277, गुरुवार, 01 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जेएचवी मॉल के शो रूम में चली गोलियां, 2 लोगों की मौत, 2 घायल

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के अति सुरक्षित कहे जाने वाले कैंटोमेंट इलाके में स्थित जेएचवी मॉल में पिस्टल लेकर घुसे बदमाशों ने बुधवार की दोपहर तीन बजे अंधाधुंध फायरिंग कर दी। चार लोगों को गोली लगी जिसमें दो की मौत हो गई। फायरिंग से मॉल में अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। देश में पहली बार किसी मॉल में हुई ऐसी घटना से पुलिस व प्रशासन में हड़कम्प मच गया। मौके पर एडीजी पीवी रामाशास्त्री, आईजी रेंज विजय सिंह मीना, डीएम सुरेन्द्र सिंह, एसएसपी आनंद कुलकर्णी पहुंचे और जानकारी ली। पुलिस के अनुसार फायरिंग करने वाले महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र बताए जा रहे हैं जो नशे में धुत थे। वह प्यूमा के शो-रूम में कार्य करने वाले एक कर्मचारी को मारने आए थे। पुलिस के अनुसार गोली चलाने का मुख्य आरोपी आलोक उपाध्याय महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में आईआरपीएम (इंड्रस्ट्रियल रिलेशन एंड पर्सनल मैनेजमेंट) में प्रथम वर्ष का छात्र है। उसकी प्यूमा शो-रूम में कार्यरत प्रशांत मिश्रा से किसी बात पर कुछ दिनों पहले मारपीट हुई थी। इसी का बदले लेने के लिए आलोक साथियों संग प्रशांत को मारने आया था। तीनों पहले मॉल के अन्दर गए। फिर एक युवक प्यूमा शोरुम में घुसा और दो बाहर ही रहे। शो-रूम में घुसे युवक ने देशी पिस्टल निकालकर कर्मचारियों को धमकाते हुए प्रशांत को समझाने की बात कहा रहा था। इसी दौरान शो-रूम मैनेजर ने युवक को पकड़ लिया और पिस्टल छीन ली। आसपास के शो-रूम से भी कर्मचारी आ गए तब तक बाहर खड़े दो युवक अन्दर घुसे और साथी को छुड़ाने के लिए अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इससे अफरा-तफरी मच गई और तीनों बदमाश भाग निकले। फायरिंग में यूवीकैन शो-रूम में हेल्पर गोपी (26) को सीने में, लिवाइस शो-रूम में टेलर सुनील (45) को सिर में, टाइमेक्स शो-रूम में कार्यरत चन्दन शर्मा (31) को कमर के नीचे तो बीइंग ह्यूमन में कार्यरत विशाल सिंह (28) को बाईं जांघ में गोली लगी। घायलों को लोग मलदहिया स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां से गोपी व सुनील को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर घर में जा घुसा,4 लोगों की मौत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में एक डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक घर में जा घुसा और इसकी चपेट में आकर चार की मौत हो गई। हादसे में दादा-दादी और दो बच्चे मारे गए, जबकि माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार सुबह कौशांबी के सादिकपुर सेमराहा गांव में एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर घर में जा घुसा। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार सुबह एक जोरदार आवाज आई। वो तुरंत फौरन शिव प्रताप लोधी के घर की और दौड़े। मंझनपुर-प्रयागराज रोड पर स्थित लोधी के घर को डंपर ने बुरी तरह नुकसान पहुंचाया हुआ था। इसकी चपेट में आकर सिर्फ परिवार के सदस्य ही नहीं बल्कि मवेशी भी मारे गए। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि लोधी, उनकी पत्नी शिवकली और उनके पोते अजय और पोती पर्णी जब नींद में थे, तभी डंपर ने उन्हें रौंद दिया और चारों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने डंपर के चालक को पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने राजमार्ग पर जाम भी लगाया।

प्रयागराज में कुंभ मेला की तैयारियों के बीच ''पेंट माई सिटी' अभियान के तहत मंगलवार को

जाति और भाषा के नाम पर देश बांटने वालों से सावधान रहे: योगी आदित्यनाथ

चौरीचौरा। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग जाति और भाषा के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। बाद में उनके परिवार का क्या होता है? आप जानते ही हैं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा भारत चाहिए जहां नक्सलवाद, आतंकवाद, जातिवाद और गंदगी न हो। जहां हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी हो।

लोकार्पण

बरही सोनबरसा के प्रताप नारायण सिंह जनता इंटर कालेज परिसर में स्वर्गीय प्रताप नारायण सिंह की प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण कहा ऐसा भारत चाहिए जहां आतंवाद, नक्सलवाद, जातिवाद और गंदगी न हो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को प्रताप नारायण सिंह जनता इंटर कालेज बरही सोनबरसा में विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय प्रताप नारायण सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसके पूर्व दीप प्रज्ज्वलित कर उन्होंने प्रतिमा का अनावरण किया। सीएम ने कहा कि आज देश स्वतंत्र भारत के शिल्पी सरदार बल्लभ भाई पटेल को याद कर रहा है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक भारत की सभी अलग-अलग रियासतों को एक साथ जोड़ने का काम सरदार पटेल ने किया। सभी 568 रियासतों को एकजुट किया और वर्तमान भारत की रचना की।

स्वर्गीय प्रताप नारायण सिंह के योगदान को सराहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सनातन धर्मावलंबी इसलिए हैं क्योंकि जिसने हमारे लिए कुछ किया, उसके प्रति हम कृतज्ञता ज्ञापन करते हैं। स्वर्गीय प्रताप नारायण सिंह को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के पहले इस क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाना दुरूह कार्य था, उस कालखण्ड में इस क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने के लिए उन्होंने विद्यालय की स्थापना की। यह पुण्य का कार्य है। अपनी स्मृतियां ताजी करते हुए योगी ने कहा कि 20 साल पूर्व यहां आया था।

स्पोर्ट्स टीचर ने स्कूल में किया 9वीं क्लास के छात्र से कुकर्म

मोदीनगर। गाजियाबाद जिले के मोदीनगर के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में कक्षा नौ के छात्र के साथ स्पोर्ट्स टीचर द्वारा कुकर्म करने का मामला सामने आया है। कुकर्म का विरोध करने पर टीचर ने छात्र को मारपीट कर घायल भी कर दिया। मंगलवार को पीड़ित के पिता ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर की एक कॉलोनी निवासी 15 वर्षीय किशोर नेशनल हाईवे स्थित एक इंटर कॉलेज में कक्षा नौ में पढ़ता है। मंगलवार को कॉलेज की छुट्टी थी, लेकिन कक्षा नौ व दस के छात्रों को स्काउट-गाइड रैली की तैयारी के लिए कॉलेज में बुलाया था। आरोप है कि स्पोर्ट्स टीचर उक्त छात्र को कॉलेज के कमरे में किसी काम कराने की बात को कहकर बुलाकर ले गया। इसक बाद टीचर ने छात्र के साथ कुकर्म किया। छात्र रोता हुआ कमरे से जब बाहर आया। इसके बाद अन्य शिक्षकों ने छात्र से रोने का कारण पूछा तो उसने पूरी बात बताई तो सभी भौचक्के रह गए। इसके बाद फोन पर छात्र ने पूरी बात अपने पिता को बताई। इसके बाद छात्र का पिता कॉलेज पहुंचा और जमकर हंगामा किया। आरोप है कि टीचर छात्र के परिजनों पर समझौता कराने का दबाव बना रहा है। छात्र के पिता ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी गजेन्द्रपाल सिंह ने बताया कि इस मामले में छात्र के परिजनों की और से तहरीर तो आई है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में कॉलेज के प्रिंसिपल से पूछा तो उन्होंने बताया कि इस बारे में जानकारी की जा रही है। एक जांच कमेटी बनाई गई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर की एक कॉलोनी निवासी 15 वर्षीय किशोर नेशनल हाईवे स्थित एक इंटर कॉलेज में कक्षा नौ में पढ़ता है। मंगलवार को कॉलेज की छुट्टी थी, लेकिन कक्षा नौ व दस के छात्रों को स्काउट-गाइड रैली की तैयारी के लिए कॉलेज में बुलाया था। स्पोर्ट्स टीचर उक्त छात्र को कॉलेज के कमरे में किसी काम कराने की बात को कहकर बुलाकर ले गया। इसक बाद टीचर ने छात्र के साथ कुकर्म किया।

पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया

लोनी। एक युवक ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर छह सात युवकों पर पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है तथा आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लोनी थाने की एक कॉलोनी में रहने वाले एक युवक का आरोप है कि रविवार रात आठ बजे उसकी पत्नी घर के पास ही एक मेडिकल स्टोर से दवा लेने गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस नही लौटी। वह उसे तलाशता हुआ कॉलोनी के तालाब के पास पहुंचा तो वह नग्न अवस्था में बेहोश पडी मिली। वह उसे घर लाया तथा सौ नम्बर पर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दे दी थी, लेकिन बिना कोई कार्रवाई किए वापस लौट गई।

दिल्ली एयरपोर्ट के आर्थिक प्रभाव व पिछले दस वर्षो के दौरान हुए विकास को दर्शाने वाली दो किताबों का किया गया विमोचन

दिल्ली हवाई अड्डे पर होगा नौ हजार करोड़ का निवेश : नायडू

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब 9000 करोड़ रपए के नए निवेश से इसकी क्षमता बढ़ेगी और इससे अधिक संख्या में यात्रियों के आवागमन की सुविधा होगी। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने मंगलवार को यह बात कही। उपराष्ट्रपति दिल्ली हवाईअड्डा के विषय में दो पुस्तकों ''दी इकोनामिक इंपैक्ट ऑफ देल्ही एयरपोर्ट' और दिल्ली हवाईअड्डा के 10 साल की यात्रा परआधारित एक कॉफी टेबल बुक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने निवास पर आयोजित कार्यक्रम में नायडु ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ही सर्वप्रथम देश के विकास के लिए देश को सड़क, रेल व हवाई मार्ग से बेहतरीन तरीके से जोड़ने पर बल दिया था, जिसके परिणाम स्वरूप आज दूरदराज के इलाकों में भी बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास और उनके रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांस्फॉर्म के मंत्र की वजह से ही देश में आवागमन सुगम हुआ है। इस संदर्भ में नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएइआर) ने

दिल्ली हवाईअड्डा के 10 साल की यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू (मध्य में) साथ में हैं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा, उपराज्यपाल अनिल बैजल

अपनी रिपोर्ट में बताया कि देश के जीवीए (ग्रॉस वैल्यू ऐडेड) में दिल्ली एयरपोर्ट महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है और जिसके 2025-26 तक 2 लाख 40 हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई है। बात अगर दिल्ली की करें तो दिल्ली एयरपोर्ट दिल्ली के सम्पूर्ण जीएसडीपी में 17.89 प्रतिशत का योगदान करता है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने दिल्ली एयरपोर्ट की कार्यपणाली को संभालने वाली जीएमआर ग्रुप की सराहना करते हुए कहा कि खराब एयरपोर्ट की श्रेणी में आने वाले दिल्ली एयरपोर्ट के विश्व के बेहतरीन एयरपोर्ट में शुमार होने की यात्रा काफी सराहनीय है, जिसके लिए जीएमआर ग्रुप की तारीफ की जानी चाहिए।इस मौके पर उपराज्यपाल अनिल बैजल, जीएमआर ग्रुप के चेयरमैन जीएम राव, कार्यकारी निदेशख आई प्रभाकर राव के अलावा कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

ताजमहल का दीदार करने पहुंचीं मिस युनिवर्स ग्रेट ब्रिटेन-2018 डी-एन-रोजर्स तस्वीर खिंचवाती हुई।

पटेल जयंती: 'रन फॉर यूनिटी' में दौड़ पड़ा गोण्डा, लगे जय श्री राम के नारे

गोंडा। अखण्डता व एकता के लिए याद किए जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती इस बार ऐतिहासिक तरीके से मनाई गई। 'रन फार यूनिटी' में बुधवार की सुबह गोण्डा दौड़ पड़ा। सदर विधायक प्रतीक भूषण की अगुवाई में जिलाध्यक्ष पीयूष मिश्र व अयोध्या से आए युवा भाजपा नेता अभिषेक मिश्र के साथ भाजपाइयों की भीड़ जब सड़क पर दौड़ी, जय श्रीराम के नारे ही सुनाई दे रहे थे।

हर हाथों में भाजपा का चुनाव प्रतीक वाले झण्डे दिख रहे थे। दौड़ शुरू होने से पूर्व विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल को कांग्रेस ने जितना छोटा कर दिया था। अब नरेंद्र मोदी ने उन्हें दुनिया में सबसे ऊंचा बना दिया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की स्टेच्यू की तरह अयोध्या नगरी में सबसे ऊंची मंदिर बन जाए तो बस। इतना कहते ही भीड़ से 'मंदिर वहीं बनाएंगे' के नारे लगने लगे।

इस पर विधायक ने भीड़ को रोका। बोले, मंदिर तो बनेगा ही। भाजपा के जिलाध्यक्ष पीयूष मिश्र व अभिषेक मिश्र ने भी अपने सम्बोधन से लोगों में दौड़ने से पूर्व जोश भरा। इसके बाद दौड़ गांधी पार्क से होते हुए दुखहरण नाथ मंदिर से ईदगाह रोड चौक होते हुए गांधी पार्क में समाप्त हुआ। 'रन फार यूनिटी' के इस दौड़ में गौरव सिंह, विकास अग्रवाल, महेंद्र सिंह, रणविजय सिंह, मैन मिश्रा, बसंत शुक्ल, परत्युश राज, अमित सिंह व आशू सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

'दमघोंटू' हवा से दिल्ली-एनसीआर को अभी राहत नहीं, तीन नवंबर से और बढ़ेगा प्रदूषण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और हरियाणा सहित आसपास के इलाकों में हवा की गति में मामूली इजाफे के कारण अगले दो दिनों तक वायु प्रदूषण की मात्रा में संभावित गिरावट के बाद इस सप्ताहांत पश्चिमी विक्षोभ का असर हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट की वजह बनेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मातहत संचालित 'हवा की गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान शोध प्रणाली (सफर) ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में नमी बढ़ेगी। इससे दो नवंबर से हवा की गति धीमी होने की वजह से वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है।

सफर के पूर्वानुमान के मुताबिक एक नवंबर से पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में असर को देखते हुये नमी बढ़ने और दो नवंबर से हवा की गति कम होने के कारण अगले दस दिनों तक दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण के स्तर में इजाफा होगा। इसके मद्देनजर उच्चतम न्यायालय की निगरानी में कार्यरत पर्यावरण प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने सभी संबद्ध एजेंसियों को इस दिशा में एहतियाती उपाय करने को कहा है।

न्यूनतम वेतन पर 'आप' की जीत,दिल्ली के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

साथ ही केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनसीआर से संबद्ध राज्य सरकारों की पर्यावरण नियंत्रण एजेंसियों से प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरु करने का निर्देश दिया है।

सफर की रिपोर्ट में मौसम विभाग के पूर्वानुमान के हवाले से मौजूदा स्थिति की गंभीरता के प्रति आगाह करते हुये कहा गया है कि उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ से जनित नमी और पूर्वी क्षेत्र में चक्रवातीय प्रणाली के सक्रिय होने से हवा की गति थामेगी। रिपोर्ट के अनुसार हवा का रुख उत्तर पश्चिम की ओर होने से भी पंजाब और हरियाणा में पराली जलने से उठने वाले धुएं का रुख दिल्ली की तरफ होगा। इससे एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी का संकट गहरा जायेगा। सफर ने अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तस्वीरों के हवाले से पंजाब और हरियाणा में पराली जलने की घटनाओं में भी बढ़ोतरी की तरफ भी ध्यान दिलाया है। इसके मद्देनजर दो या तीन नवंबर से दस नवंबर तक वायु प्रदूषण की स्थिति नाजुक बनी रहेगी। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता का मौजूदा स्तर 'बहुत खराब बना हुआ है।

संपादकीय

विश्व शांति की बात

सवरेच्च न्यायालय द्वारा अयोध्या मामले की सुनवाई को जनवरी तक टालने पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। किसी मामले की कब सुनवाई करनी है, यह न्यायालय के विवेक पर निर्भर करता है। वह अपने समक्ष मामलों में तुलना करने के बाद तय करता है कि किसकी तुरंत और त्वरित सुनवाई की आवश्यकता है, किसे अभी टाला जा सकता है। साफ है कि अयोध्या मामला उसे तत्काल जल्दी और प्रतिदिन सुनवाई के योग्य नहीं लगा है। न्यायालय के इस निर्णय के बाद अयोध्या मामले पर आम चुनाव के पूर्व फैसला आने की संभावना खत्म हो गई लगती है। न्यायालय ने यह भी नहीं कहा है कि जनवरी से सुनवाई आरंभ करेगा ही। उसकी टिप्पणी है कि जनवरी में वह पीठ का गठन करेगा। उसके बाद मामला सुचीबद्ध होगा तथा तय होगा कि इसकी सुनवाई जनवरी, फरबरी या मार्च में की जाएगी। इस मायने में यह निर्णय निराशाजनक है कि उच्चतम न्यायालय के पास मामला साढ़े सात वर्षो से ज्यादा समय से लंबित है। अयोध्या मामला का समाधान जितनी जल्दी हो देश के लिए उतना ही अच्छा होगा। किंतु न्यायालय का अपना दृष्टिकोण है। जाहिर है, अगर इसकी सुनवाई अगले वर्ष किसी महीने होगी तो जो पक्ष इसका त्वरित फैसला चाहता है, उसे निराशा होगी। साधु-संतों से लेकर विहिप आदि का बयान आ गया है कि सरकार तत्काल अध्यादेश लाकर मंदिर निर्माण का रास्ता प्रशस्त करे तथा बाद में उसे विधेयक के रूप में पेश कर संसद में कानून बना दे। विपक्षी दलों ने राजनीतिक रणनीति के तहत कहना आरंभ कर दिया है कि सरकार को किसी ने अध्यादेश लाने से रोका तो है नहीं। मोदी सरकार एवं भाजपा के लिए विकट स्थिति पैदा हो गई है। वह तत्काल कोई कदम नहीं उठाती है तो पांच राज्यों के चुनावों में उसे खमियाजा भुगतना पड़ सकता है। उठाती है तो उसे न्यायालय को नजरअंदाज करना होगा। न्यायालय में मामला लंबित रहते अध्यादेश लाना असंवैधानिक नहीं होगा लेकिन इसकी आलोचना होगी। विपक्ष को लगता है कि उसके दोनों हाथों में लड्डू है। किंतु इस मामले को राजनीति से उठकर देखना होगा। सरकार चाहे तो न्यायालय में मामले की तुरंत और प्रतिदिन सुनवाई की अपील कर सकती है। सरकार के पास महाधिवक्ता से लेकर अधिवक्ताओं का पूरा समूह है, जो न्यायालय में इसके लिए प्रभावी बहस कर सकते हैं। कोई कदम उठाने से पहले न्यायालय में फिर से जाना बेहतर विकल्प है।

तेरहवीं शिखर वार्ता

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिंजो आबे के बीच हुई तेरहवीं शिखर वार्ता से दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई मिली है। निश्चित रूप से इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि उन्होंने विदेशी राजनेताओं से मुलाकातों को व्यक्तिगत स्पर्श देकर भारत के राजनयिक हितों का विस्तार किया है। यह पहला मौका है, जब आबे ने किसी विदेशी राजनेता को अपने निजी घर में आमंत्रित किया। यह बताता है कि दोनों नेताओं के बीच कितने घनिष्ठ व्यक्तिगत रिश्ते हैं। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की आबे से यह बारहवीं मुलाकात है। इस शिखर वार्ता के दौरान दोनों देशों में हाईस्पीड रेल परियोजना और नौसेना सहयोग समेत छह समझौतों पर दस्तखत किए हैं। द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए दोनों देशों ने 2 प्लस टू वार्ता करने पर सहमति जताई है। गौरतलब है कि इसी तर्ज पर भारत और अमेरिका के बीच समझौता है और पिछले महीने ही दोनों के बीच नई दिल्ली में 2 प्लस टू का पहला दौर का आयोजन हुआ था। राजनय के इस फ्रेमवर्क में दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्री के बीच बातचीत होती है। दरअसल, भारत और जापान दोनों चीन की विस्तारवादी-साम्राज्यवादी नीति से परेशान हैं। भारत की तरह जापान के साथ भी चीन का सीमा विवाद है। भारत प्रशांत क्षेत्र में चीन लगातार प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। चीन की सक्रियता भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। यह मुक्त और स्वतंत्र क्षेत्र है। भारत और जापान दोनों इसके हिस्से हैं। लिहाजा मोदी और शिंजो ने भारत-प्रशांत में शांति और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण पर भी ध्यान केंद्रित किया। अमेरिका भी इस क्षेत्र को मुक्त और स्वतंत्र बनाना चाहता है और इसके लिए वह भारत और जापान दोनों को प्रेरित भी करता रहता है। दोनों नेताओं ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना में हुई प्रगति की समीक्षा की। वास्तव में यह मोदी की राजनयिक शैली का ही परिणाम है कि जापान की उदारतापूर्ण सहयोग से भारत में बुलेट ट्रेन का सपना बहुत जल्द ही हकीकत में बदल जाएग। इसके लिए जापान भारत को रियायती दरों पर कर्ज दे रहा है। यह परियोजना दोनों देशों के सहयोग और मित्रता का प्रतीक है।

कुशवाहा और तेजस्वी यादव की मुलाकात

पासवान और कुशवाहा के एनडीए में शामिल होने से भाजपा को बिहार में लोक सभा की तीन चौथाई सीटें हासिल हुई थीं। शेष दलों, जिनमें राजद, कांग्रेस, जेडीयू और एनसीपी थे, को चालीस में से नौ सीटें ही मिल सकी थीं। नीतीश एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद जुलाई, 2016 में एनडीए में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पद तो हासिल किया ही, बिहार एनडीए के अगुआ भी बन गए। स्वाभाविक है यह स्थिति पासवान और कुशवाहा को नागवार लगती है। पासवान तो दम साधे बैठे हैं, लेकिन कुशवाहा की सक्रियता और प्रतिक्रिया कभी-कभार दिखती है। लालू प्रसाद की पार्टी राजद भी उन्हें अपने साथ लाने को उत्सुक है। इसलिए कुल मिलाकर खबर बनती है कि अमित-नीतीश की प्रेस कांफ्रेंस ने बिहार एनडीए में नकारात्मक उथल-पुथल मचा दी है।

सतीश पेडणोकर

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और जनतादल यूनाइटेड अध्यक्ष नीतीश कुमार की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के साथ बिहार में 2019 के लोक सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। प्रेस कांफ्रेंस चुनाव केंद्रित थी। इसमें दोनों ने बराबर संख्या में सीटें लड़ने की घोषणा की। हालांकि ठीक-ठीक संख्या की घोषणा नहीं हुई लेकिन संभावना है कि संख्या सोलह-सोलह या सत्रह-सत्रह हो सकती है। पटना में बैठे उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिक्रिया थी कि यह दस-दस या पंद्रह-पंद्रह भी हो सकती है। बिहार से लोक सभा की चालीस सीटें हैं। जो हो इस प्रेस कांफ्रेंस के साथ विवाद भी शुरू हो गएहैं। प्रेस कांफ्रेंस के तुरंत बाद कुशवाहा और तेजस्वी यादव की मुलाकात होती है, और कुछ ही समय बाद कुशवाहा की प्रतिक्रिया भी आती है, जिससे पता चलता है कि वह नाराज हैं। रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान की प्रतिक्रिया भी ऐसी ही है, और यह स्वाभाविक है। 2014 के लोक सभा चुनाव के वक्त बिहार में जो एनडीए बना था, उसमें नीतीश नहीं थे। पासवान और कुशवाहा के एनडीए में शामिल होने से भाजपा को बिहार में लोक सभा की तीन चौथाई सीटें हासिल हुई थीं। शेष दलों, जिनमें राजद, कांग्रेस, जेडीयू और एनसीपी थे, को चालीस में से नौ सीटें ही मिल सकी थीं। नीतीश एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद जुलाई, 2016 में एनडीए में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पद तो हासिल किया ही, बिहार एनडीए के अगुआ भी बन गए। स्वाभाविक है यह स्थिति पासवान और कुशवाहा को नागवार लगती है। पासवान तो दम साधे बैठे हैं, लेकिन कुशवाहा की सक्रियता और प्रतिक्रिया कभी-कभार दिखती है। लालू प्रसाद की पार्टी राजद भी उन्हें अपने साथ लाने को उत्सुक है। इसलिए कुल मिलाकर खबर बनती है कि अमित-नीतीश की प्रेस कांफ्रेंस ने बिहार एनडीए में नकारात्मक उथल-पुथल मचा दी है। चुनावी बिगुल बजते ही विवादों की शुरु आत भी हो गई है। प्रथम ग्रासे मच्छिका पात:। पहले ही कौर में मक्खी का गिरना। एनडीए के लिए शगुन ठीक नहीं है। बिहार एनडीए का हालिया इतिहास दिलचस्प रहा है। 2014 के लोक सभा चुनावों में उसे जबरदस्त सफलता मिली थी। लोक सभा की सीटों को छोड़ हम ग्राससूट पर विधानसभा क्षेत्रों तक प्रभाव को देखें तब 243 में 176 पर एनडीए को बढ़त थी। इसी बूते भाजपा प्रमुख अमित शाह ने एनडीए के लिए 2015 के विधानसभा चुनाव में अपने लिए 185 प्लस का लक्ष्य रखा था। तब नीतीश की पार्टी सिर्फअठारह सीटों पर बढ़त हासिल कर सकी थी। लेकिन चुनाव के बाद हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए नीतीश ने मुख्यमंत्री का पद त्याग किया। समाज के महादलित तबके से आने वाले जीतनराम मांझी को सीएम बनाया और राजनीति की नई संभावनाओं की तलाश में जुट गए। नीतीश ने अपने विरोधी लालू से राजनीतिक रिश्ता बनाया और 2015 के विधानसभा चुनाव में राजद-जेडीयू और कांग्रेस की तिकड़ी बनी जिसे महागठबंधन कहा गया। महागठबंधन ने बिहार एनडीए को धूल चटा दी। इसे कुल 243 में से 178 सीटें मिलीं। यह उल्लेखनीय सफलता थी। लेकिन बीस महीने बाद ही नीतीश ने महागठबंधन को ध्वस्त करके भाजपा से हाथ मिला लिया और एनडीए फिर मजबूत हो गया। तो प्रथम दृष्टया बिहार में एनडीए की मजबूती नीतीश के कारण है। नीतीश भी समझते हैं कि बैलेंसिंग फोर्स उनके पास है। वह महागठबंधन में जाते हैं, तो वह मजबूत और एनडीए में जाते हैं, तो यह मजबूत। इसमें कुछ हद तक भले ही सच्चाई हो पर यह पूरा सच नहीं है। सही है कि वोट के हिसाब से नीतीश तीसरी या चौथी ताकत हो सकते हैं, लेकिन उनके इधर या उधर होने से संतुलन बनता-बिगड़ता रहा है। 2015 के विधान सभा चुनाव में विभिन्न दलों को हासिल वोटों का अध्ययन हमें कुछ दिलचस्प नतीजे देता है। इस चुनाव में एनडीए को 34 प्रतिशत से कुछ अधिक मत मिले थे, महागठबंधन को 42 प्रतिशत से कुछ कम। कई कारणों से भाजपा की बिगड़ती स्थिति ने उसे झुकने के लिए मजबूर किया है । बिहार में अपनी स्थिति मजबूत कर उसने उत्तर भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने का अहसास करना-कराना चाहा है। नये संभावित मित्रों के लिए उनका यह संदेश भी हो सकता है कि देखो, हम कितना उदार हैं, या हो सकते हैं। लेकिन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह या नीतीश कुमार ने यदि यह मान लिया है कि खेल इतना आसान है, तो यह उनकी भारी भूल होगी। सवाल यह भी है कि जिस तरह नीतीश कुमार बैलेंसिंग फोर्स हैं, उस तरह दूसरे भी तो हो सकते हैं। यदि एनडीए बिखर जाता है, तब क्या नीतीश कुमार उसे वह सफलता दिला पाएंगे जिसकी आकांक्षा भाजपा आला कमान करता है? वह यदि यह सोचते हैं कि केवल वही सक्रिय हैं, तो वह गलत हैं। महागठबंधन भी अपने आपको लगातार दुरुस्त कर रहा है। वाम दलों से उसने अपना रिश्ता ठीक किया है, और संभावना है कि चुनावी तालमेल में वाम दल भी शामिल होंगे। पहले एनडीए में शामिल जीतनराम मांझी अब महागठबंधन के हिस्से हैं। यदि किसी कारण उपेंद्र कुशवाहा एनडीए से खिसकते हैं, तो एनडीए का ले-दे कर बराबर हो जाएगा। नीतीश कुमार जितने वोटों का योग करेंगे, उतने वोट वहां से खिसक लेंगे। यही कारण है कि राजद नेता तेजस्वी यादव ने उपेंद्र फैक्टर पर जोर दिया है। यह सही है कि फिलहाल पूरे उत्तर भारत में बिहार ही है, जहां एनडीए सबसे अधिक मजबूत है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव-मायावती के मेल के बाद भाजपा के लिए उम्मीदें कम हो जाती हैं। जहां तक उत्तराखंड और झारखंड जैसे राज्यों की बात है, तो वहां भी भाजपा मजबूत स्थिति में आज नहीं है। बिहार में उसकी हालत बिगड़ी तो केंद्र में भी उसका खेल बिगड़ना अवश्यंभावी है। इन चार राज्यों में एनडीए को फिलहाल 139 में 115 सीटें हासिल हैं। इनमें कोई बड़ी कमी होती है, तब के लिए इसकी भरपाई मुश्किल होगी। बिहार में कुछ समय के लिए नीतीश कुमार खुश हो सकते हैं कि उन्होंने अपने आत्माभिमान की रक्षा कर ली। पिछले चुनाव में 22 सीटें जीतने वाली पार्टी आज केवल 2 सीटें जीतने वाली पार्टी के बराबर आकर खड़ी हुई है, तो इसका मतलब है कि भाजपा कमजोर हो चुकी है। कहा जाना है कि चुनावों में अधिक सीटें लड़ना महत्त्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि अधिक सीटें जीतना होता है। फिलहाल, बिहार प्रकरण से भाजपा की आतंरिक बेचैनी ही प्रकट होती दिखती है। इस बेचैनी को पढ़ने वाले पढ़ चुके हैं। भारत की जनता सब कुछ समझती है।

सत्संग

धन

न सोचें कि आप किकस तरह से आजीविका कमाएंगे या किस तरह का शिक्षण लेंगे। महत्त्वपूर्ण चीज तो यह जीवन है। आप इस अमूल्य जीवन का निवेश किसमें करना चाहते हैं? यदि इस ढंग से विचार करेंगे तो आपको वास्तव में कुछ सही काम करने को मिलेगा। सिर्फ कमाने या कुछ हासिल करने के ही बारे में सोचेंगे तो ऐसी बेवकूफी करेंगे जिसके लिए जीवन भर पछताएंगे। अधिकतर लोग पछतावे में जीते हैं, और यही कारण है कि कभी खुश नहीं रहते। जो करना चाहते हैं, नहीं करते। जो उनके लिए वाकई महत्त्वपूर्ण है, ऐसा कुछ निर्माण करने की बजाय वे सिर्फ जीवन यापन कर रहे होते हैं। प्रत्येक जीव-कीटाणु, कीड़ा, पक्षी और पशु अपने जीवन के लिए ही तो कुछ कर रहा है। सिर्फ जीवन जीने के लिए कमाई करना मनुष्य के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। दुर्भाग्यवश, देश में दस से बीस पीढ़ियां गरीबी में जीती रही हैं, और इसीलिए, लोग सिर्फ धन कमाने के चक्कर में रहते हैं। माता-पिता लगातार अपने बच्चों पर यही दबाव बनाए रखते हैं कि अपने जीवन के लिए कैसे कमाई करें। जब एक साधारण-सा कीड़ा अपने जीवन के लिए कमाई कर लेता है, जी लेता है, तो क्या इतने बड़े दिमाग वाले मनुष्य के लिए यह कोई बहुत बड़ी बात है? प्रश्न है कि आप क्या निर्माण करने जा रहे हैं क्योंकि आप जिसे जीवन कहते हैं, वह सिर्फ कुछ मात्रा में समय और ऊर्जा है। इस ऊर्जा, जिसे आप जीवन कहते हैं, का आप कैसे उपयोग करेंगे? यदि आप कुछ ऐसा कर रहे हैं, जो वाकई करने योग्य है, तो इससे पहले कि आप जान सकें कि क्या हुआ, वह पूरा हो जाएगा। अगर आप कुछ बेकार की बात करने में लगे हैं, तो आपको जीवन बहुत लंबा और कष्टपूर्ण लगेगा। क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है? किसी खास दिन, जब आप बहुत खुश थे तो 24 घंटे एक क्षण की तरह निकल गए। आप दुख में हैं, तो 24 घंटे 10 साल जैसे लगते हैं। हर युवा व्यक्ति यह करे-कम से कम दो से तीन दिन आप सिर्फअपने साथ रहें, अपने संगी-साथियों, माता पिता या शिक्षकों के प्रभाव के बिना, और इस बात पर विचार करें कि अपना अमूल्य जीवन किस चीज में लगाना चाहते हैं? यदि आपको लगता है कि कुछ वाकई करने के योग्य है, और आप अपना जीवन उसमें लगाते हैं, तो आपका जीवन परिपूर्ण, संतुष्ट होगा।

चलते चलते

थकान

शरीर की थकन बुरी कै दिमाग की?-थकन कोई सी भी बुरी नहीं होती। थकन तो श्रम का परिणाम है। मैं भी एक काम से थक जाता हूं, तो दूसरी थकन के लिए नये काम को न्यौता दे देता हूं। जहां तक दिमाग की और शरीर की थकन का मामला है, दिमाग की थकन ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि वह शरीर की थकन का दावतनामा है। पिछले सप्ताह पच्चीसवां परफैक्ट हेल्थ मेला लगा था। मैं भी प्रारंभ से ही उससे जुड़ा हुआ हूं। पचास हजार से ज्यादा लोग आए। चौदह हजार से ज्यादा लोगों का हेल्थ चेक अप हुआ। पैंसठ स्कूलों और पचास कॉलेजों ने भाग लिया। तरह-तरह की कार्यशालाएं लगीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। मन को शांत और दिमाग को चुस्त करने के लिए डॉ. के. के. अग्रवाल ने एक प्रयोग और किया।-कौन सौ प्रयोग?-इस बार मैथ मेला लगाया। हर उम्र के प्रतिभागियों के लिए चुनौती यह थी कि जीवन के जिस भी क्षेत्र में गणित का प्रयोग होता है, उसके उदाहरण दें। गणित दिमाग की थकन को दूर करता है। जैसे ही दिमाग की थकन मिटी, शरीर भी प्रफुल्ल हो जाता है।-हम तौ बिना गणित केई सुखी ऐं। हानि-लाभ कौ हिसाब कबहुं नायं लगायौ।-आप भले ही न लगाएं हिसाब, पर गणित आपका हिसाब रखता है। आनंद और दुख का हिसाब। वहां अनेक पद्मअलंकृत कलाकार आए थे। पंडित छन्नू लाल मिश्र ने संगीत और साहित्य में छंदों का गणित बताया। नृत्यांगना विदुषी उमा शर्मा ने बांसुरी पकड़ने का ज्यामितिक गणित सिखा दिया वरिष्ठ डॉक्टरों को। सबसे बढ़िया था सावित्री आसन! हृदय गति रु क जाने पर एक मिनिट में वक्षस्थल पर सौ मुक्के मारे जाएं तो मृत जीवित हो जाता है। यह गणित है एक थकन उतारू थकन का सबसे अच्छा उदाहरण। हजारों ने वहां एक साथ इस आसन को गिनतियों के साथ सीखा। अभी चार दिन पहले मुंबई एयरपोर्ट पर एक यात्री अचानक हार्टअटैक के कारण मूर्छित होकर गिर पड़ा था, वहां का एक पुलिसकर्मी पीसीआर सावित्री आसन जानता था। वक्षस्थल पर सौ मुक्के खाते ही मूर्छा टूट गई। यात्री जी उठा।

मैं भी एक काम से थक जाता हूं, तो दूसरी थकन के लिए नये काम को न्यौता दे देता हूं। जहां तक दिमाग की और शरीर की थकन का मामला है, दिमाग की थकन ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि वह शरीर की थकन का दावतनामा है। पिछले सप्ताह पच्चीसवां परफैक्ट हेल्थ मेला लगा था। मैं भी प्रारंभ से ही उससे जुड़ा हुआ हूं। पचास हजार से ज्यादा लोग आए।

फोटोग्राफी...

भारत के पहले उपप्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर मंगलवार को पुरी में समुद्र किनारे प्रख्यात सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक द्वारा बनाई गई रेत की उनकी प्रतिमा।

मी टू की शुरुआत

डूबते को तिनके का सहारा काफी होता है। ऐसा ही एक सहारा आज की तारीख में सोशल मीडिया है। सोशल मीडिया ज्वालामुखी की तरह नजर आ रही है मीटू के रूप में। क्या बॉलीवुड, क्या मीडिया और क्या पॉलिटिक्स हर तरफ आज इसी के चर्चे हैं, एमजे अकबर से लेकर संस्कारी बाबू जी आलोक नाथ और अन्नू मलिक सहित कई बड़े नाम इसकी चपेट में आकर हैसियत गंवा चुके हैं। प्रख्यात लेखक चेतन भगत पर भी केस हुआ है। मी टू की शुरुआत तनुश्री दत्ता द्वारा नाना पाटेकर पर आरोप लगाने से हुई थी। तनुश्री ने कहा था कि दस साल पहले हॉर्न ओके प्लीज के सेट पर पाटेकर ने उनका उत्पीड़न किया था, और इसका विरोध करने पर तनुश्री को अपना कॅरियर और देश छोड़ कर जाना पड़ा। हालांकि दस साल बाद इस मामले को उठाने पर लोगों की मिश्रित प्रतिक्रिया आई। कुछ इस बात के पक्ष में थे कि दस साल बाद ही सही गलत को सजा मिलनी चाहिए तो वहीं दूसरा पक्ष कह रहा है कि इतने समय बाद यह मामला उठाना सस्ती लोकप्रियता हासिल करना है। वस्तुस्थिति यह है कि मीटू को अच्छा समर्थन मिल रहा है। जो लोग हिचक या शर्म के कारण अपने साथ हुए बुरे बर्ताव को बताने से शर्माते थे, वो आज खुल कर बोल रहे हैं।

आज का समाज संबंधों और रिश्तों को लेकर परिपक्व हुआ है। महिला व पुरु ष की मित्रता को सहजता से लिया जाता है। लेकिन समस्या तब उठ खड़ी होती है, जब रजामंदी के बिना या पल्रोभन के साथ रिश्ते बनाने की कोशिश होती है, और समाज के डर और शर्म से ऐसी बातें सामने आने से रह जाती हैं।

मीटू एक ऐसी मुहीम है, जिसने ना सिर्फ महिलाओं को साहस दिया है अपनी आवाज उठाने को बल्कि पुरुष समाज को भी सोचने पर मजबूर किया है कि हर ना का मलतब ना ही होता है। मूलत: यह मुहिम है ऐसी घटनाओं को सामने लाने की, जिनमें जबरदस्ती किस करने की कोशिश की गई हो, दबोचने, सेक्स टॉक करने या गुप्तांग को छूने की कोशिश की गई हो यानी किसी भी किस्म की जबरदस्ती की गई हो।

सोशल मीडिया ने इस अभियान को आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभाई है। कानून भावनाओं पर काम नहीं करता, उसे तय-प्रमाण चाहिए होते हैं। मीटू अभियान के तहत जिस तरह के मसले सामने आ रहे हैं, उनमें प्रमाण पेश करना आसान नहीं है यानी कानूनन सजा न हो पाए तो भी सामाजिक सजा या राजनीतिक सजा तो मिल ही सकती है लोगों को। उदाहरण के लिए एमजे अकबर का मंत्री पद गया। आलोक नाथ की सामाजिक प्रतिष्ठा चौपट हुई। अन्नू मलिक को एक म्यूजिक शो से बतौर जज हटाया गया।

लगातार धुआंधार फर्जी किस्म के मीटू कैंपेन चले तो कोई भी पुरुष किसी महिला से उसकी सहमति के बाद भी किसी तरह की बात करने से झिझकेगा। मीटू कैंपेन सोशल मीडिया की सार्थकता का एक नमूना है पर यह सार्थकता बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि यह परिपक्व हाथ में आए।

वरिष्ठ वकील और महिला अधिकार कार्यकर्ता मिल बैठकर विचार करें कि किस तरह कैंपेन को सार्थकता की ओर लेकर बढ़ा जाए। पीड़ित महिलाओं के हाथ में मीटू अभियान एक हथियार की तरह आया है। यह भोथरा नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया को कई अगंभीर कामों से भी जोड़कर देखा जाता है। कैंपेन अगंभीरता के गड्ढे में पतित ना हो जाए, यह सुनिश्चित करना हरेक की जिम्मेदारी है।

सार समाचार

चीन ने ब्रह्मपुत्र में बाढ़ की आशंका को लेकर फिर भारत को चेताया

नयी दिल्ली। चीन ने एक पखवाड़े के भीतर दूसरी बार भारत को अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी में बाढ़ जैसे हालात की आशंका पर सतर्क किया है। एक भूस्खलन की वजह से तिब्बत में नदी में पानी का प्रवाह बाधित हो गया है। जल संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि भूस्खलन और उसके बाद कृत्रिम झील बनने की जानकारी भारत को सोमवार देर शाम राजनयिक माध्यमों से और उस प्रणाली के तहत अलग-अलग दे दी गयी, जिसके तहत चीन ब्रह्मपुत्र के साथ जलीय आंकड़े साझा करता है।

केंद्रीय जल आयोग ने ट्वीट किया, ''चीन की ओर से मिली ताजा जानकारी के अनुसार 31 अक्टूबर 2018 को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे (चीनी समयानुसार सुबह नौ बजे) भूस्खलन की जगह रुके हुए पानी की मात्रा अनुमानत: 337 एमसीएम है।'' चीन ने 17 अक्टूबर को भारत को तिब्बत में यारलुंग सांगपू नदी के निचले हिस्सों में मिलिन काउंटी में जियाला गांव के पास भूस्खलन के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद एक कृत्रिम झील बन गयी थी। जब झील से पानी निकलना शुरू हो गया तो अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी के पास के जिलों को बाढ़ की आशंका को लेकर हाई अलर्ट पर रखा गया।

चीन में मिले आठ हजार साल पुराने ग्राम स्थलों के खंडहर

बीजिंग। चीनी पुरातत्वविदों ने चीन के अंदरूनी मंगोलिया स्वायत्त शासी क्षेत्र में ऐसे ग्रामीण घरों के 16 स्थलों के खंडहर खोजे हैं जो 7,800 साल से ले कर 8,400 साल तक पुराने हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बुधवार को बताया कि ये स्थल सिमागोउ खंडहरों में हैं। ये यूमिन संस्कृति के प्रतीत होते हैं जो पुरापाषाण काल और नवपाषाण काल के बीच की मानी जाती है। इसका सबसे पहले पता 2014 में लगा था। शिन्हुआ ने बताया कि घरों के ये 16 स्थल मुख्य रूप से गोलाकार या गोल किए गए किनारों वाली आयताकार अर्ध आलाएं जैसे हैं। ये घर स्थल विभिन्न आकारों के हैं। गोलाकार स्थलों के व्यास 3-3 मीटर से 4-5 मीटर के हैं, और गोल किए गए किनारों वाले आयताकार स्थलों की लंबाई 4-4 से 5-2 मीटर और चौड़ाई 1-1 से 6-6 मीटर तक है। पुरातत्वविदों ने इस साल यहां के खंडहरों में से पत्थर के पात्र, हड्डियों के औजार और बर्तनों के टुकड़ों सहित 500 से अधिक वस्तुओं का पता लगाया है। कुछ घर स्थलों से पशुओं की हड्डियां और संदूकचे भी मिले हैं। पुरातात्व विभाग की टीम का नेतृत्व कर रहे हू झियानोंग ने कहा कि वहां से मिलीं जानवरों की हड्डियों और पत्थर के औजारों से पता चलता है कि प्राचीन ग्रामीणों के उत्पादन के मुख्य तरीके शिकार करना और भोजन संकलन के थे। हू ने कहा कि इस खोज ने क्षेत्र की यूमिन संस्कृति पर शोध के लिए महत्वपूर्ण सामग्री प्रदान की है।

अमेरिका में जन्म लेने मात्र से नहीं मिलेगी यहां की नागरिकता, कानून बदलने की तैयारी में डोनाल्ड ट्रंप

अल्बुकर्क (अमेरिका) (एजेंसी)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह उस संवैधानिक अधिकार को खत्म करना चाहते हैं, जिसके चलते अमेरिका में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को यहां की नागरिकता स्वत: मिल जाती है. 'एक्सिओस ऑन एचबीओ' पर एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि उनका इरादा गैर नागरिकों और अनधिकृत प्रवासियों के बच्चों को मिलने वाली नागरिकता की गारंटी पर रोक लगाने की है.

जन्म के साथ अमेरिकी नागरिकता की व्यवस्था 14वें संशोधन के मार्फत हुई है, जिसे गृह युद्ध के बाद गुलामी से मुक्त हुए अश्वेतों को अमेरिका की नागरिकता देने के उद्देश्य से मंजूरी दी गई थी. लेकिन अदालत में चुनौती मिलने के बाद इसका इस्तेमाल अमेरिकी धरती पर जन्म लेने वाले सभी बच्चों को नागरिकता की गारंटी देने के लिए हुआ. ट्रंप या कोई और राष्ट्रपति इस बारे में कोई आदेश लाते भी हैं तो उसे न्यायिक चुनौती मिल सकती है.

ट्रंप के निर्णय की आलोचना

डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान की तीखी आलोचना हो रही है. खुद ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी से भी आलोचना के स्वर उठ रहे हैं. ट्रंप ने एक्सिओस को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि जन्मजात नागरिकता को समाप्त होना होगा और यह काम शासकीय आदेश के जरिए होगा.

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर, कांग्रेस सदस्य पॉल रयान ने कहा, 'आप शासकीय आदेश के जरिए जन्मजात नागरिकता को समाप्त नहीं कर सकते.' रयान ने केन्टुकी के लेजिंग्टन में स्थानीय रेडियो स्टेशन से कहा, 'जब पूर्व राष्ट्रपति (बराक ओबामा) ने शासकीय आदेश के जरिए आव्रजन नियमों में बदलाव करने की कोशिश की तब भी हमने इसे पंसद नहीं किया था और कंजर्वेटिव पार्टी से होने के नाते हम संविधान में विश्वास करते हैं.' वर्तमान कानून के मुताबिक अमेरिका में जन्म लेने वाला कोई भी बच्चा अमेरिकी नागरिक होता है फिर चाहे उसके माता पिता अमेरिका के नागरिक हों अथवा नहीं.

ट्रंप ने अपने साक्षात्कार में कहा, 'मुझे हमेशा बताया गया कि आपको संविधान में संशोधन की जरूरत है, एक संशोधन. पहली बात आपको यह करना नहीं है. दूसरी बात कि आप यह कांग्रेस के जरिए कर सकते हैं. लेकिन अब वे कह रहे हैं कि मैं सिर्फ एक शासकीय आदेश के जरिए ऐसा कर सकता हूं.'

इस साक्षात्कार का कुछ हिस्सा मंगलवार को प्रसारित किया गया था. पूरा साक्षात्कार 'एक्सिओज ऑन एचबीओ' पर रविवार को प्रसारित किया जाएगा. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में जन्में किसी को भी नागरिकता देना हास्यास्पद है. उन्होंने कहा कि हम विश्व में इकलौते देश हैं जहां कोई आता है और बच्चे को जन्म देता है और फिर बच्चा 85 वर्षों के लिए अमेरिका का अनिवार्य नागरिक बन जाता है साथ ही उसे सभी प्रकार के लाभ मिलते हैं. 'यह हास्यास्पद है. और इसे समाप्त होना होगा.'

सीनेट की शक्तिशाली न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष रिपब्लिक सांसद चक ग्रासले ने कहा कि ऐसा करने के लिए संविधान में संशोधन करना होगा. डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता नैंसी पेलोसी ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है. अमेरिकन इम्मिग्रेशन काउंसिल के कार्यकारी निदेशक बेथ वर्लिन ने कहा 'कोई भी राष्ट्रपति अपनी कलम से संविधान नहीं बदल सकता. जन्मजात नागरिकता के प्रावधान को संविधान में एक नया संशोधन कर ही खत्म किया जा सकता है.'

रिटायर हो रहा है ग्रहों की खोज करने वाला नासा का दूरबीन केप्लर

टैंपा (अमेरिका) (एजेंसी)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का ग्रहों की खोज करने वाला केप्लर दूरबीन नौ साल की सेवा के बाद रिटायर होने वाला है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 2,600 ग्रहों की खोज में मदद करने वाले केप्लर दूरबीन का ईंधन खत्म हो गया है इसलिए उसे रिटायर किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2009 में स्थापित इस दूरबीन ने अरबों छुपे हुए ग्रहों से हमें अवगत कराया और ब्रह्मांड की हमारी समझ को बेहतर बनाया। नासा की ओर से जारी बयान के अनुसार, केप्लर ने दिखाया कि रात में आकाश में दिखने वाले 20 से 50 प्रतिशत तारों के सौरमंडल में पृथ्वी के आकार के ग्रह हैं और वे अपने तारों के रहने योग्य क्षेत्र के भीतर स्थित हैं। इसका मतलब है कि वे अपने तारों से इतनी दूरी पर स्थित हैं, जहां इन ग्रहों पर जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण पानी के होने की संभावना है।

नासा के एस्ट्रोफिजिक्स विभाग के निदेशक पॉल हर्ट्ज का कहना है कि केप्लर का जाना कोई अनपेक्षित नहीं था। केप्लर का ईंधन खत्म होने के संकेत करीब दो सप्ताह पहले ही मिले थे।उसका ईंधन पूरी तरह से खत्म होने से पहले ही वैज्ञानिक उसके पास मौजूद सारा डेटा एकत्र करने में सफल रहे। नासा का कहना है कि फिलहाल केप्लर धरती से दूर सुरक्षित कक्षा में है।

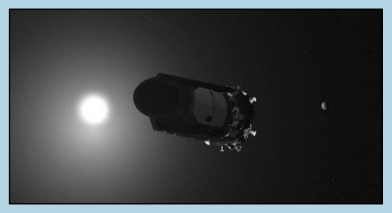

चीन की तरफ से बढ़ती धमकी पर अमेरिका ने ताइवान को फिर सुरक्षा पर भरोसा दिया

ताइपे (एजेंसी)।

अमेरिकी राजनयिक ब्रेंट क्रिस्टेंसन ने बुधवार को कहा कि ''शांतिपूर्ण तरीके से इतर'' ताइवान का भविष्य तय करने की कोई भी कोशिश क्षेत्रीय स्वतंत्रता के लिये एक खतरा है और अमेरिका के लिये ''गंभीर चिंता'' का विषय है. 'अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ताइवान' के प्रमुख क्रिस्टेंसन ने यह भी कहा कि अमेरिका ताइवान को सैन्य साजो-सामान की बिक्री जारी रखेगा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उसकी भागीदारी को भी बढ़ावा देगा जिसे चीन रोकने की अधिकाधिक कोशिश कर रहा है. चीन ताइवान को अपनी सरजमीन मानता है जिसे जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक भी मिलाया जा सकता है.

हाल के दिनों में ताइवानी राष्ट्रपति त्साइ इंग-वेन के प्रभाव को कम करने के प्रयास के तहत चीन ने अपनी धमकियां बढ़ा दी हैं. ताइवानी राष्ट्रपति ने चीन की मांग के सामने झुकने और ताइवान को चीन का एक हिस्सा मानने से इनकार कर दिया. अमेरिका ने चीन को मान्यता देने के लिये 1979 में ताइवान से अपने औपचारिक संबंध तोड़ लिये थे लेकिन दोनों के बीच मजबूत अनाधिकारिक सैन्य और कूटनीतिक संबंध बरकरार रहे.

क्रिस्टेंसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ये रिश्ते 'ताइवान रिलेशंस एक्ट' से संचालित होते हैं जिसके तहत अमेरिका यह सुनिश्चित करता है कि ताइवान के पास अपनी सुरक्षा की क्षमता बनी रहे. उन्होंने कहा कि 40 साल बीत जाने के बाद भी अमेरिका की नीति ''बदली नहीं है''. उल्लेखनीय है कि नाम को छोड़कर

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ताइवान बाकी सभी तरह से दूतावास के तौर पर काम करता है.

फिलीपीन भूस्खलन में तीन लोगों की मौत, कई लापता

मनीला (एजेंसी)।

उत्तरी फिलीपीन के माउंटेन प्रांत में चक्रवात के कारण हुए भीषण भूस्खलन में दो सरकारी इमारतें ढह गयी तथा बचावकर्ताओं ने चार जीवित लोगों और तीन शवों को बाहर निकाला है। ध्वस्त हुई इमारतों के मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय पुलिस प्रमुख अधीक्षक रोनाल्डो नाना ने बताया कि माउंटेन प्रांत के सुदुर नाटोनिन शहर में भूस्खलन के कारण कम से कम 18 लोग अभी भी लापता हैं। संकरी सड़कों और भूस्खलन तथा नाटोनिन की ओर जाने वाली सड़कों पर पत्थरों के गिर जाने के कारण बचावकर्ताओं और उपकरणों को वहां ले जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आपदा बचाव अधिकारी जेनिफर पंगकेट ने बताया कि मंगलवार को आए चक्रवात यूटू के कारण हुये भूस्खलन में अभी तक 24 लोग फंसे हो सकते हैं। मंगलवार को उत्तरी फिलीपीन में आए तूफान के कारण कम से कम नौ लोग मारे गये थे।

हर हफ्ते 14 लाख लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं: यूएन प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 'वर्ल्ड सिटीज डे' पर कहा कि विश्व भर में प्रत्येक सप्ताह 14 लाख लोग शहरों की ओर पलायन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या में पलायन प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदा का खतरा बढ़ा सकता है। गुतारेस ने बुधवार को 'वर्ल्ड सिटीज डे' पर अपने संदेश में जोर दिया कि जोखिम आपदा में नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक सप्ताह 14 लाख लोग पलायन कर शहर जाते हैं। इतना तेज शहरीकरण स्थानीय क्षमताओं पर और बोझ डालेगा। साथ ही, प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदाओं का जोखिम भी बढ़ा सकता है। लेकिन जोखिमों को आपदाओं में नहीं बदलना चाहिए। इसका जवाब तूफान, बाढ़, भूकंप, महामारी और आर्थिक संकट से बचाव वाला निर्माण हो।'' इसके लिए उन्होंने बैंकाक, जोहानिसबर्ग आदि का उदाहरण भी दिया।

पीएम मोदी ने कोरियाई राष्ट्रपति को भिजवाईं 'मोदी जैकेट', मून पहनकर पहुंचते हैं दफ्तर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विशेष सद्भाव के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत बारीकी से तैयार किये गये कुछ 'मोदी जैकेट' दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे इन को भिजवाये हैं। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जा इन ने बुधवार को कई फोटो ट्वीट कर मोदी जैकेट के बारे में यह जानकारी दी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे इन ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा- 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे कुछ शानदार कपड़े भेजे। ये 'मोदी जैकेट' के नाम से चर्चित पारंपरिक भारतीय परिधान के आधुनिक संस्करण हैं। अब ये आसानी से कोरिया में भी मिल सकते हैं। मैंने पिछली भारत यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि आप इन जैकेट में बहुत जंचते हैं। उन्होंने अब मुझे ये जैकेट विधिवत भेजे हैं। सभी मेरे हिसाब से तैयार किए गए हैं, मैं इस सद्?भाव के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगा।' मून जे इन ने इस प्रकार की कई जैकेट अपने लिए बनवाई हैं और सभी पर मोदी जैकेट लिखवाया है। वे मोदी जैकेट पहनकर ही अपने दफ्तर जा रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर 'मोदी जैकेट' की कुछ तस्वीरें भी अपलोड की हैं।

शांति पुरस्कार के लिए मोदी को बधाई : मून ने मोदी को अपने आर्थिक दृष्टिकोण से विश्व शांति में योगदान देने इस साल का 'सोल शांति पुरस्कार' के लिए चुने जाने पर बधाई दी। मून ने ट्वीट किया, 'सोल शांति पुरस्कार पाने पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए ट्वीट मैंने पढ़े हैं। मैं उन्हें बधाई देना चाहूंगा। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी को अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं वैश्विक आर्थिक वृद्धि में उनके योगदान को लेकर 2018 में सोल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था।

मून की पत्नी भारत आएंगी

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून की पत्नी किम जुंग सूक अगले सप्ताह भारत यात्रा पर आ रही हैं। वे यहां एक पार्क के कार्यक्रम में शामिल होंगी, जो कोरिया के प्राचीन गाया साम्राज्य में रहीं 'भारतीय मूल की महारानी हियो वांग-ओक' को समर्पित रहेगा। 16 वर्ष में पहली बार दक्षिण कोरिया की प्रथम महिला राष्ट्रपति के बिना अन्य देश की यात्रा करेंगी।

किम जुंग सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी, इसके बाद वे पार्क के कार्यक्रम में शामिल होंगी। वे दिवाली भी

यहीं मनाएंगी। इसके पहले दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून पत्नी के साथ जुलाई में भारत यात्रा पर आए थे।

पिट्सबर्ग सिनेगॉग पहुंचे ट्रंप, प्रदर्शनकारियों ने किया विरोध

पिट्सबर्ग (एजेंसी)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को पिट्सबर्ग के उस सिनेगॉग में पहुंचे जहां पिछले सप्ताहांत यहूदियों के खिलाफ हमले में 11 लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस दौरान घटनास्थल पर मौजूद 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के खिलाफ नारेबाजी की और साफ संदेश दिया कि राष्ट्रपति का वहां स्वागत नहीं है। प्रदर्शन में शामिल लोगों के हाथों में तख्तियां थीं जिनपर लिखा था ''प्रेसिडेंट हेट, लीव आवर स्टेट', 'ट्रंप, अब व्हाइट हाउस का राष्ट्रवाद छोड़ें'' और ''ट्रंप के झूठ जान लेते हैं।'' प्रदर्शनकारी 'ट्री ऑफ लाइफ' सिनेगॉग के पास जमा हुए, जहां शनिवार को गोलीबारी हुई थी।

ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया, बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुश्नर के साथ यहां पहुंचे थे। कुश्नर यहूदी हैं। पिट्सबर्ग के स्किवरेल हिल में स्थित ट्री ऑफ लाइफ सिनेगॉग में शनिवार को हुए हमले में 11 लोग मारे गए थे। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया था। हमलावर ने पूछताछ में साफ-साफ कहा था कि वह सिर्फ यहूदियों को मारना चाहता था।

पाकिस्तान: ईशनिंदा में फांसी की सजा पाई ईसाई महिला बरी, देशभर में विरोध-प्रदर्शन तेज

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में बुधवार को ईशनिंदा की दोषी एक ईसाई महिला की फांसी की सजा को पलटते हुए उसे बरी कर दिया जिसके बाद देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए.

अपने पड़ोसियों के साथ विवाद के दौरान इस्लाम का अपमान करने के आरोप में 2010 में चार बच्चों की मां आसिया बीबी (47) को दोषी करार दिया गया था. उन्होंने हमेशा खुद को बेकसूर बताया हालांकि बीते आठ वर्ष में उन्होंने अपना अधिकतर समय एकांत कारावास में बिताया.

पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून को लेकर समर्थन बेहद मजबूत है तथा आसिया बीबी के मामले ने लोगों को अलग-अलग धड़ों में बांट दिया है. आसिया के मामले को लेकर पाकिस्तान में अलग-अलग विचार रहे हैं जहां विवादास्पद ईशनिंदा कानून को मजबूत समर्थन प्राप्त है. पूर्व सैन्य तानाशाह जियाउल हक ने 1980 के दशक में ईशनिंदा कानून लागू किया था. इन कानूनों के तहत दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा का प्रावधान है.

पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार की अगुवाई वाली शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने बुधवार सुबह अपना फैसला सुनाया. पीठ ने इस नतीजे पर पहुंचने के करीब तीन सप्ताह बाद इस संबंध में फैसला सुनाया. फैसला आने में हो रही देरी को देखते हुए ईशनिंदा विरोधी प्रचारकों ने प्रदर्शन की धमकी दी थी.

निसार ने फैसले में कहा,'याचिकाकर्ता की तरफ से कथित ईशनिंदा मामले में अभियोजन की तरफ से पेश साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट है कि अभियोजन अपने मामले को साबित करने में विफल रहा है.' उन्होंने कहा कि बीबी अगर अन्य मामलों में वांछित नहीं हैं तो लाहौर के निकट शेखुपुरा जेल से उन्हें तुरंत रिहा किया जा सकता है.

निसार ने फैसला पढ़ते हुए कहा,'उनकी दोष सिद्धि को खारिज किया जाता है और अन्य मामलों में अगर जरूरत नहीं है तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए.' न्यायाधीश ने कहा,'इस्लाम में सहिष्णुता मूल सिद्धांत है.' उन्होंने कहा कि धर्म अन्याय और अत्याचार की निंदा करता है.

इस्लामाबाद में हुए प्रदर्शन

हिंसा की आशंका को देखते हुए इस्लामाबाद में सुनवाई के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे. फैसले के बाद पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में प्रदर्शन हुए. इस्लामाबाद पुलिस की घोषणा के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने राजधानी इस्लामाबाद को सैन्य शहर रावलपिंडी से जोड़ने वाले राजमार्ग और एक पुराने हवाईअड्डे को बाधित किया.

पुलिस के अनुसार देश की सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत पंजाब में हाई अलर्ट की चेतावनी दी गई थी और इसके गृह विभाग ने 10 नवंबर तक सभी तरह की जनसभाओं पर प्रतिबंध लगाया है.

लाहौर में भी हुए प्रदर्शन

इस्लामी राजनीतिक दल तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान की अगुवाई में लाहौर में प्रदर्शन हुए. प्रदर्शन के तहत काफी बड़ी संख्या में इसके कार्यकर्ता माल रोड पर इकट्ठा हुए. सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक पार्टियों से संबद्ध समूहों ने कराची और अन्य शहरों में भी प्रदर्शन किए. जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख फजलूर रहमान ने इस फैसले की निंदा की और आरोप लगाया कि यह फैसला अज्ञात 'विदेशी ताकतों' से प्रेरित है. ऐसी खबरें है कि बीबी को बरी किए जाने के विरोध में विभिन्न जगहों पर मस्जिदों ने लोगों को सड़कों पर उतरने को कहा. चरमपंथियों के प्रदर्शन के बावजूद सोशल मीडिया पर इस फैसले को खूब सराहा जा रहा है. बीबी के वकील सैफुल मुलूक ने मीडिया को बताया कि यह उनके जीवन का 'सबसे खुशनुमा दिन' है. बीबी पर 2009 में ईशनिंदा का आरोप लगा था और 2010 में निचली अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनायी थी जिसे 2014 में लाहौर उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा था.

सूरत। पार्वती पब्लिक स्कूल के सामने 120 फुट बमरोली रोड़ पांडेसरा में कचरे का लगा ढेर। पार्वती स्कुल के बच्चों को कचरे के ढेर से होने वाली दुर्गंध और बिमारीयों से दो चार होना पड़ रहा है, लेकिन सूरत महानगर पालिका के कर्मचारी इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे है। एक और एस.एम.सी स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छ सूरत सून्दर सूरत की मुहिम चला रही है और ऐक और स्कूल के सामने कचरे का ढेर लगा कर स्कूल के बच्चों की सेहत से खिलवाड़ कर रही है।

बिल्डर समेत 6 जनों पर जानलेवा हमला

सूरत। शहर के अमरोली छापराभाठा इलाके में कचरा डालने को लेकर बिल्डर, उसका भाई और चाचा समेत 6 जनों पर टोला ने तलवार, चाकू से हमला कर घायल कर दिया। बिल्डर समेत अन्य लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

अमरोली पुलिस सूत्रों के अनुसार अमरोली छापराभाठा वल्लभनगर सोसायटी में बिल्डर नरेन्द्र उर्फ नरेश हमीर सुवा नक कई लैट किराए पर दिए है। उसके किराएदार के साथ बिल्डिंग में रहनेवाले भार्गव के साथ कचरा डालने को लेकर झगड़ा हुआ था। जिससे नरेन्द्र सुवा समझाने गया। तबभार्गव अपने दोस्त इस्माम, युनुस, इमरान, राधव, टीवो समेत दस लोगों के साथ घातक हथियार तलवार, चाकू तथा पिस्तौल के साथ पहुंचकर नरेन्द्र, उसके चाचा कनु, भाई अजय और भारत समेत 6 लोगों पर जानलेवा हमला किया। वहीं पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। नरेन्द्र समेत 6 जनों को घायलावस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस ने नरेन्द्र की शिकायत के आधारपर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

यह स्थल एकता प्रेरणा समान बना रहेगा : मुख्यमंत्री

जो इतिहास से प्रेरणा लेता है वहीं सफल होता है : रुपाणी

स्टैचू ऑफ यूनिटी के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री रुपाणी और उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाईपत्र दिया

अहमदाबाद। सरदार साहब की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी के गुजरात में निर्माण के लिए गुजरात के नागरिकों की तरफ से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अभिनंदन देकर बधाईपत्र दिया। दुनियाभर में गुजरात का नाम एकता के लिए स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के निर्माण को सफल बनाने के लिए यह स्थल एकता प्रेरणा समान बनी रहेगी। देश के नागरिक आपके सपने को पूरा करेंगे यह हमारा संकल्प है यह आगे बताया गया।

उन्होंने आगे बताया है कि, सरदार साहब की ऊंची प्रतिमा के सान्निध्य में यह पत्र गुजरात के नागरिकों की तरफ से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आर्शीवाद रूप में लिखा जा रहा है।

नरेन्द्र मोदी का सरदार वल्लभभाई पटेल की जितनी विशाल प्रतिभा इतनी ही ऊंची प्रतिमा का संकल्प था यह ३१ अक्टूबर २०१८ को पूरा हुआ है। लौह पुरूष सरदार साहब के साहस और भगीरथ प्रयासों के कारण ही भारत आज एक बना है जिसके लिए सभी भारतीय गर्व से कह सकते है कि विविधता में एकता यह भारत की विशेषता है। देश में एकता के लिए नागरिक जागरूक रहे इसके लिए नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरदार साहब के समय में देश की एकता के लिए जितनी जागरूकता, सकारात्मकता और सक्रियता की आवश्यकता थी इसके ज्यादा सक्रियता आज देश के नागरिकों में देखने को मिल रही है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि, जो इतिहास से प्रेरणा लेता है वहीं सफल होता है। सरदार साहब का जीवन, उनकी राष्ट्रभक्ति आनेवाली पीढ़ी को देश को श्रेष्ठ और एक बनाने के लिए हमेशा प्रेरित करेगी।

सूरत। सूरत महानगरपालिाक, जिला प्रशासन, सूरत शहर पुलिस और सूरत ग्रामीण पुलिस के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 143 वीं जन्म जयंती पर बुधवार सुबह 7.30 बजे स्वर्णिम सर्कल, फालसावाडी जंक्शन, रिंगरोड दिल्लीगेट होकर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा, रेलवे स्टेशन तक रन फोर यूनिटी सुबह 8 बजे सूरत रेलवे स्टेशन पर सरदार वल्लभभाई पटेल केा सूतरांजलि और वंदना के बाद राष्ट्रीय एकता की प्रतिज्ञा कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर मनपा पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महापुरुषों के सम्मान की हो रही आलोचना : मोदी

पीएम मोदी ने सरदार पटेल की स्टैचू ऑफ यूनिटी किया उद्घाटन

गुजरात के सीएम के तौर पर इसकी कल्पना की थी तो एहसास नहीं था कि पीएम के तौर पर मुझे यह पुण्य काम करने का मौका मिलेगा : मोदी

केवडिया। पीएम मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन पर दुनिया में सबसे ऊंची उनकी प्रतिमा 'स्टैचू ऑफ यूनिटी' का उद्घाटन किया। मोदी ने इस मौके पर 'देश की एकता, जिंदा बाद' का नारा लगाते हुए एक भारत के श्रेष्ठ भारत के लिए पटेल के दिखाए रास्ते पर चलते रहने का आह्वान किया। मोदी ने कांग्रेस समेत विरोधियों पर हमले का मौका भी नहीं गंवाया। पीएम ने कहा कि आज देश के उन सपूतों का सम्मान हो रहा है जिन्हें चाह कर भी इतिहास में भुलाया नहीं जा सकता। मोदी ने परोक्ष रूप से कांग्रेस पर पटेल का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा। हालांकि उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस या किसी पार्टी का जिक्र नहीं किया लेकिन यह जरूर कहा कि आज महापुरुषों की प्रशंसा के लिए भी हमारी आलोचना होने लगती है।

पीएम मोदी ने कहा, किसी भी देश के इतिहास में ऐसे अवसर आते हैं जब वे पूर्णता का एहसास कराते हैं। ये वे पल होते हैं जो किसी राष्ट्र के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाते हैं और उसे मिटा पाना बहुत मुश्किल होता है। आज का यह दिवस भी भारत के इतिहास के ऐसे ही कुछ क्षणों में से एक महत्वपूर्ण है। भारत की पहचान, भारत की सम्मान के लिए समर्पित विराट व्यक्तित्व को उचित स्थान नहीं दे पाने का एक अधूरापन लेकर आजादी के इतने वर्षो तक हम चल रहे थे। आज भारत के वर्तमान ने अपने इतिहास के एक स्वर्णिम पुरुष को उजागर करने का काम किया है।

पीएम मोदी ने स्टैचू ऑफ यूनिटी का अनावर के बाद कहा, आज जब धरती से लेकर आसमान तक सरदार साहब का अभिषेक हो रहा है जब भारत ने न सिर्फ अपने लिए एक नया इतिहास रचा है बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा का गगनचुंबी आधार तैयार किया है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे सरदार साहब की इस प्रतिमा को देश को समर्पित करने का अवसर मिला है। जब गुज रात के सीएम के तौर पर इसकी कल्पना की थी तो एहसास नहीं था कि पीएम के तौर पर मुझे ही यह पुण्य काम करने का मौका मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा मुझे वे पुराने दिन याद आ रहे हैं और आज भी भरकर बहुत कुछ कहने का मन करता है। जब यह विचार मैंने सामने रखा था तो शंकाओं का वातावरण भी सामने आया था। देशभर के गांवो से मिट्टी मांगी गई थी, खेती में इस्तेमाल किए गए पुराने औजारों को इकठ्ठा करने का काम चल रहा था।

कारीगर के खाते से पार किए 16 हजार रुपए

सूरत। उधना इलाके स्थित बीओबी के एटीएम सेन्टर में रूपए निकालने गए कारीगर को दो बदमाशों ने मदद करने के बहाने पीन नंबर जानने के बाद नजर बचाकर कार्ड बदल दिया और उसके खाते से 16700 रूपए निकाल लिए।

उधना पुलिस के अनुसार उधना दरवाजा खटोदरा कॉलोनी निवासी सोमनाथ मलेशम पामु संचा खाता में कार्य करते हैं। सोमनाथ गत 24 अक्टूबर को सुबह नौ बजे उधना बस डिपो के पास बीओबी के एटीएम सेन्टर में 3 हजार रूपए निकालने के लिए गया था। वहीं एटीएम में इससे पहले से खड़े दो जनों सोमनाथ को रूपए निकालने में मदद करने का कहकर विश्वास में लेकर पीन नंबर जान लिया। उसके बाद सोमनाथ की नजर बचाकर एटीएम कार्ड बदलने के बाद अलग-अलग जगह के एटीएम से 16700 रूपए निकाल लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

सूरत। शहर के उधना मेन रोड पर गत रात को युवक पर पुरानी रंजिश में दो लोगों ने मारपीट करजांघ में चाकू से वार कर घायल कर फरार हो गए।

उधना पुलिस सूत्रों के अनुसार उधना शनि मंदिर की गली में मोरारजी वसाहत निवासी शाहरूख हारून शेख सोमवार रात को साढे 11 बजे उधना मेन रोड स्वामीनारायण मंदिर के पास से गुजर रहा था। तभी राजा उर्फ गांडी और राहुल उर्फ भाईदास ने पुरानी रंजिश में रोका था।

स्टैचू ऑफ यूनिटी को समर्पित करने के मौके पर

१.६९ लाख गांवों की मिट्टी वाली वॉल ऑफ यूनिटी का अनावरण

मोदी का विभिन्न राज्यों से आये सांस्कृतिक कला मंडलों ने विविधता में एकता समान कार्यक्रमों से स्वागत किया

गांधीनगर। नर्मदा नदी के किनारे पर बनाई गई सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा के देश को समर्पित करने के मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के १.६९ लाख गांवों से जमा करके मिट्टी की बनाई गई वॉल ऑफ यूनिटी का अनावरण किया गया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान सरदार पटेल ने किसान आंदोलन का नेतृत्व किया। जि से लेकर किसानों ने अपने खेती के औजारों के लोहे के टुकड़े और मिट्टी का दान करके सरदार साहब को श्रद्धांजलि दी है।

सामाजिक संस्थानों और स्वयंसेवकों द्वारा देश के १.६९ लाख गांवों से जमा किए गए अलग-अलग आकार, रंग, सुगंध वाली मिट्टी से वॉल ऑफ यूनिटी का निर्माण किया गया है। मिट्टी से बनाई गई यह वॉल ऑफ यूनिटी ने किसानों द्वारा स्टैचू ऑफ यूनिटी में दिए गए योगदान का प्रतीक है। अलग-अलग रंग, आकार, सुगंध वाली मिट्टी की दीवार देश की अलग-अलग संस्कृतियों में रही एकता की मिशाल है। वॉल ऑफ यूनिटी के अनावरण के अवसर पर पहुंचे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश के विभिन्न राज्यों से आये सांस्कृतिक कला मंडलों ने विविधता में एकता समान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कर्नाटक के राज्यपाल वज ुभाई वाला, मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबहन पटेल, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल, राष्ट्रीय भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, मुख्य सचिव डॉ. जेएन. सिंघ सहित महानुभाव मौजूद रहे।

दक्षिण गुजरात के केबल ऑपरेटर्से के साथ सांसद का संवाद

सूरत। दक्षिण गुजरात के केबल ऑपरेटर्से के साथ खासदार ने संवाद साधा। खासदार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यू इंडिया के विजन की जानकारी दी। केबल ऑपरेटर्स ने अपनी समस्या सांसद समक्ष रखी। केन्द्र सरकार के कल्याणकारी योजना लोगों तक पहुंचाने और प्रधानमंत्री के भविष्य का भारत की कल्पना से लोगों को जोड़ने के लिए सांसद के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का प्रधानमंत्री ने अपील की थी। नवसारी के सांसद सीआर पाटिल ने गत माह में समाज के अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के साथ संवाद कार्यक्रम किया। मंगलवार को केबल ऑपरेटर्स के साथ संवाद किया। टीजीबी होटल में आयोजित सांसद के साथ संवाद कार्यक्रम में 300 से अधिक केबल ऑपरेटर्स उपस्थित रहे। केन्द्र की कल्याणकारी योजना की जानकारी दी गई। केबल ऑपरेटर्स ने अपनी समस्या सांसद के समक्ष रखी। सांसद ने ऑपरेटर्स के प्रश्नों का जवाब दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)